भारत के राष्ट्रपति,
श्री राम नाथ कोविन्द
का
हरियाणा में आदर्श ग्राम- सुई में सार्वजनिक सुविधाओं के
लोकार्पण समारोह के अवसर पर
संबोधन

भिवानी, **17** नवम्बर, **2021**

1. मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा आरंभ की गई 'स्व-प्रेरित आदर्श ग्राम योजना' के अंतर्गत, सुई गांव में विकसित की गई जन-सुविधाओं का लोकार्पण करके मुझे बहुत खुशी हुई है।

2. हम सभी जानते हैं कि **हरियाणा की धरती इतिहास रचती रही है। इसी धरती पर ही,** कुरुक्षेत्र में, अन्याय पर न्याय की विजय का शंखनाद हुआ था। उस धर्मक्षेत्र में श्रीकृष्ण ने गीता का जो अमर संदेश दिया वह पूरी दुनिया की विभिन्न भाषाओं में आज भी पढ़ा जाता है और उसका अनुकरण किया जाता है। यह कहा जा सकता है कि गीता, पूरी मानवता को, हरियाणा की धरती की सौगात है।

3. हरियाणा की धरती, कर्मक्षेत्र और शौर्यक्षेत्र भी है। यहाँ के गाँव-गाँव में ऐसे अनेक परिवार हैं जिनमें एक बेटा किसान है, तो दूसरा जवान है। जय जवान, जय किसान की भावना हरियाणा की संस्कृति का हिस्सा **बन गया** है।

देवियो और सज्जनो,

4. **हरियाणा की बेटियों की गौरव-गाथा न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी गूँजती है।** भारत के सार्वजनिक जीवन की गौरवशाली महिलाओं में हरियाणा की **बेटी** श्रीमती सुषमा स्वराज को पद्म विभूषण से सम्मानित

करने का सौभाग्य मुझे हाल ही में प्राप्त हुआ। इसी हरियाणा की बेटी कल्पना चावला ने धरती से आकाश तक की ऊंचाई तय करके दुनिया के जन-मानस में हरियाणा को गौरवशाली स्थान दिलाया है। एक अन्तरिक्ष यान को कल्पना चावला का नाम **भी** दिया गया है। **इस तरह अंतरिक्ष में भी हरियाणा का बोलबाला हुआ है। इनके अतिरिक्त** संतोष यादव, साक्षी मलिक, गीता, बबिता और विनेश फोगाट बहनों तथा बहुत सी अन्य बेटियों ने **भी खेल-कूद के क्षेत्र में** हरियाणा का मस्तक ऊँचा किया है, **और** देश का गौरव बढ़ाया है। हमें हरियाणा की धरती पर जन्मी इन **सभी** बेटियों पर गर्व है। बेटियों को खेल-कूद, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के साथ- साथ हरियाणा के गाँव-गाँव में **अब** रूढ़ियों से ऊपर उठकर उन्हें प्रोत्साहित करने की भावना दिखाई दे रही है।

5. वर्ष 2020 के ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा के नीरज चोपड़ा ने हमारा तिरंगा जापान में लहराया। आज से चार दिन पहले 13 नवम्बर को मुझे देश भर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ था। सम्मानित होने वाले 72 खिलाड़ियों व खेल प्रशिक्षकों में से कुल 16 यानि 22 प्रतिशत से अधिक विजेता हरियाणा से ही थे। इस प्रकार, हरियाणा देश में सबसे आगे रहा।

6. **हरियाणा की एक कहावत है** 'मेरा हरा-भरा हरियाणा, जित दूध-दही का खाणां'। **इस** कहावत को **सही** सिद्ध करने वाले इस क्षेत्र ने और विशेषकर सुई गांव ने, देश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनेक खिलाड़ी और खेल प्रशिक्षक दिए हैं। **हाल ही में मुझे हरियाणा के ऐसे ही एक रत्न, वयोवृद्ध श्री सज्जन सिंह से मिलने का मौका मिला जिनको इस वर्ष कुश्ती में योगदान के लिए ध्यान चंद खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।** मुझे विश्वास है कि 'स्व-प्रेरित आदर्श ग्राम योजना' के तहत इस गाँव में बनाए गए स्कूल, पुस्तकालय, पेयजल-सुविधा और सुंदर झील के

साथ-साथ अनेक जन-सुविधाओं का सदुपयोग करके, इस गांव के **होनहार** बच्चे और युवा आगे चलकर शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल-कूद के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करेंगे। वे इस गांव का ही नहीं, बल्कि हरियाणा का और भारत का नाम रोशन करेंगे।

7. हमारी ग्राम प्रधान अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय विकास का आधार है ग्राम विकास। अतः इस आदर्श ग्राम योजना की परिकल्पना करने और कार्यरूप देने के लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करता हूँ। पिछले कुछ वर्षो में हरियाणा ने प्रगति और विकास के अनेक मापदण्डों पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया है तथा हरियाणा को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। इन समग्र प्रयासों और उपलब्धियों के लिए मैं मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल और उप-मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला के कुशल नेतृत्व की सराहना करता हूँ।

देवियो और सज्जनो,

8. मुझे बताया गया है कि सुई गांव को आदर्श गांव बनाने में श्री एस के जिंदल और उनके परिवार का विशेष योगदान रहा है। अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव और कृतज्ञता का यह एक अच्छा उदाहरण है। आम तौर पर जब कोई व्यक्ति अपने गांव से बाहर चला जाता है और प्रतिष्ठा एवं समृद्धि प्राप्त कर लेता है, तब वह अपने गांव को भूल जाता है। लेकिन कृतज्ञ लोगों के मन में अपनी जन्मभूमि के प्रति आजीवन ममत्व और श्रद्धा बनी रहती है। मुझे विश्वास है कि इस अनुकरणीय उदाहरण से प्रेरणा लेकर अन्य सक्षम देशवासी भी अपने-अपने गांव के विकास के लिए आगे आएंगे। **मैं आशा करता हूँ कि यहां की सुविधाओं के बल पर सुई गाँव के बच्चे, भविष्य में श्री एस के जिंदल और श्री सज्जन सिंह जैसी हरियाणा की प्रसिद्ध विभूतियों की श्रेणी में अपना नाम अंकित करेंगे।**

9. इस अवसर पर, मुझे हरियाणा के यशस्वी सपूत सर छोटू राम का स्मरण होता है। सर छोटू राम के संघर्ष और दूरदर्शिता के बल पर यहां के गरीबों को शोषण से मुक्ति मिली थी। सर छोटू राम गरीबों, किसानों, और ग्रामीणों के लिए सच में दीनबंधु थे। उनका जन्म इसी अंचल में हुआ था। एक सप्ताह बाद ही, 24 नवंबर को, उनकी जन्म-जयंती है। मैं आप सब को उसके लिए अग्रिम बधाई देता हूँ।

देवियो और सज्जनो,

10. मुझे बताया गया है कि भिवानी जिले के केलंगा आदर्श गाँव को देखने मेरे पूर्ववर्ती राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम वर्ष 2007 में यानि आज से 14 वर्ष पहले आए थे। मैं मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने स्व-प्रेरित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत गाँवों में विकास प्रदान करने का उचित मौका दिया।

11. भारत आज भी गांवों में बसता है। मुझे इसी वर्ष जून के महीने में **कानपुर जिले में स्थित** अपने गाँव जाने का अवसर मिल पाया था। वहाँ पहुँचकर, अपने आप ही, मुझमें अपने गाँव की माटी को माथे पर लगाने की भावना जाग उठी। **हेलीकाप्टर से उतर कर सबसे पहले** मैंने अपने गाँव की धरती को चूमा। **क्योंकि** मैं मानता हूँ कि **मैं अपने** गाँव की धरती के आशीर्वाद के कारण मैं राष्ट्रपति भवन तक पहुँच सका हूँ। मैं विश्व में जहां भी जाता हूँ, मेरा गाँव और मेरा देश मेरे हृदय में बना रहता है। मैं लोगों से **भी** प्रायः अनुरोध करता हूँ कि अपनी जड़ों को, अपनी मातृभूमि को, अपने गाँव को, अपनी माटी को कभी मत भूलिए। गाँव की हवा-पानी और मिट्टी में एक विशेष ताकत होती है। हमारी परंपरा में यह मान्यता है कि देवताओं, गुरुओं और पितरों का ऋण चुकाना तो संभव है लेकिन **जननी और जन्म-भूमि का कर्ज** कभी नहीं

उतारा जा सकता। अतः मातृभूमि की जितनी सेवा हम कर सकें वह कम है। अपने अपने गाँव के लिए गहरे प्रेम की भावना के साथ सभी देशवासी **यदि** अपने गाँव के विकास के लिए कार्य करें तो ग्राम विकास के आधार पर पूरा देश विकसित हो जाएगा।

ग्राम विकास की आधारशिला पर राष्ट्र-निर्माण के प्रयासों में सफलता के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद

जय हिन्द**!**